



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खंड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 2]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 24, 1983/भाद्र 2, 1905

No. 2]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 24, 1983/BHADRA 2, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख (1) के अधीन  
सूचना

कार्यालय मन्त्रालय आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन  
रैंज, केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टेक्यू सैकिल, जयपुर

जयपुर, 18 अगस्त, 1983

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/2107--आ०  
मृञ्ज, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) (जिसे इसमें इसका पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269 ख के अधीन समक्ष प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० भूकान सं० 395 है तथा जो श्रीगंगानगर में  
स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर  
में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 24 नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961  
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री ताराचन्द, पुत्र श्री सुन्दर सिंह  
निवासी पुरानी आबादी, वार्ड नम्बर 33 गन्दी  
बस्ती, श्रीगंगानगर (अन्तरक)
- (2) श्री मेघराज, पुत्र श्री उत्तमचन्द  
निवासी श्रीगंगानगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 395 स्थित बिनोबा बस्ती, श्रीगंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2968 दिनांक 24 नवम्बर, 1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर  
ए० आर० नटराजन, अतिरिक्त सचिव

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Notice under Section 269D (I) of the Income Tax Act, 1961  
(43 of 1961)

Office of the I.A.C. Acquisition Range, Central Revenue  
Building, Statue Circle, Jaipur

Jaipur, the 18th August, 1983

Ref. No. Rel/IAC (Acq.)/2107.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the

said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 395 situated at Sri Ganganagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sri Ganganagar on 24-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tara Chand S/o Shri Sunder Singh R/o Purani Abadi, Ward No. 33, Gandhi Basti, Sri Ganganagar. (Transferor)
- (2) Shri Meghraj S/o Shri Uttamchand R/o Sri Ganganagar (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

House No. 395, situated at Binoba Basti, Sriganganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sriganganagar vide No. 2968 dt. 24-11-82.

MOHAN SINGH, Competent Authority

Inspection Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Jaipur

A. R. NATARAJAN, Additional Secy.